National Webinar under the Scheme

EK BHARAT SHRESHTH BHARAT - DEKHO APNA DESH

India is Rich in Diversity

भारत विविधता में समृद्ध है

organized by

Govt. P. G. College, Bilaspur (Rampur), U P

(In Association with IQAC)

26th June, 2020 (Friday) @ IST : 03:00 PM

Guest of Honour
Dr Shashi Bala Rathi
Ex-Pricipal
S R Sirls Degree College, Bareilly

Chief Patron
Prof (Dr) Vandana Sharma
Director, Higher Education
Uttar Pradesh

Chief Guest
Prof (Dr) Harivansh Rai Dixit
Member of Higher Education Commission

Patron
Prof (Dr) R P Yadav
Principal

Guest of Honour
Dr R P S Yadav
Former Addl Secretary U P
Higher Education Council Lucknow

Eminent Speakers

Dr Tanveer Husain
Head, Deptt of History
Gandhi Faiz-e-Aam College
Shahjahanpur, U P

Dr Naresh Kumar
Deptt of Pol Science
Govt Degree College,
Bhojpur, Moradabad

Prof I B Mohapatra
Deptt of Sociology
Govt Degree College,
Bilaspur, Rampur

Dr Ajay Vikram Singh
Deptt of Geography
Govt Raza P G College
Rampur

Convenor
Dr Divyanshu Kumar Singh
Head, Department of Physics

Organizing Secretary
Dr Hamant Kumar
Coordinator-RUSA
Head, Department of Mathematics

Nodal Officer-EBSB
Dr P K Garg
Head, Department of Commerce

Organizing Committee

Dr Neelima Singh, Dr Abdul Latif, Dr Nisha Verma , Dr Neet Behari Lal, Dr Vandana Rathore, Dr Shivom Sharma, Dr Avtar Dixit, Mr P S Anand

SCHEDULE OF THE WEBINAR

Hon'ble Guest & Resource Persons		
Introductory Speech	Dr Divyanshu Kumar Singh Convenor	03:00 PM to 03:05 PM
Welcome Address	Hon'ble Prof (Dr) R P Yadav Principal/ Patron	03:05 PM to 03:15 PM
Address by Chief Patron	Hon'ble Prof (Dr) Vandana Sharma Director, Higher Education, U P	03:15 PM to 03:25 PM
Address by Chief Guest	Hon'ble Prof (Dr) Harivansh Rai Dixit Member of Higher Education Commission	03:25 PM to 03:40 PM
Address by Guest of Honour	Hon'ble Dr R P S Yadav Former Addl Secretary U P Higher Education Council Lucknow	03:40 PM to 03:55 PM
Address by Guest of Honour	Dr Shashi Bala Rathi Former –Pricipal, S R Girls Degree College, Bareilly	03:55 PM to 04:10 PM
Eminent Speakers	Dr Tanveer Husain Head, Deptt of History Gandhi Faiz-e-Aam College, Shahjahanpur, U P	04:10 PM to 04:25 PM
	Dr Naresh Kumar Head, Deptt of Pol. Science Govt Degree College, Bhojpur, Moradabad	04:25 PM to 04:45 PM
	Prof I B Mohapatra Head, Deptt of Sociology Govt Degree College, Bilaspur, Rampur	04:45 PM to 05:05 PM
	Dr Ajay Vikram Singh Head, Deptt of Geography Govt Raza P G College, Rampur	05:05 PM to 05:25 PM
Vote of Thanks	Dr P K Garg Nodal Officer-EBSB Dr Hamant Kumar Coordinator-RUSA	05:25 PM to 05:30 PM

Convenor	Organizing Secretary	Nodal Officer-EBSB
Dr Divyanshu Kumar Singh Head, Department of Physics	Dr Hamant Kumar Head, Department of Mathematics	Dr P K Garg Head, Department of Commerce

Registration Link

https://forms.gle/QrJAubYbJRdsgLsZA

Registered participants :- 601

Join Zoom Meeting
https://us02web.zoom.us/j/87810428087?pwd=UjhxS2tIUmkxcno4bEZEMWlxbVFyUT09

Meeting ID: 878 1042 8087
Password: 12345

YOUTUBE LIVE ON
https://youtu.be/Q8geYDNGRVs

HARSHAK VYAS
Prof.Harbansh Dixit's network bandwidth is low

Avtar Dixit
HARSHAK VYAS
rp yadav's network bandwidth is low
SHOT ON MI A1

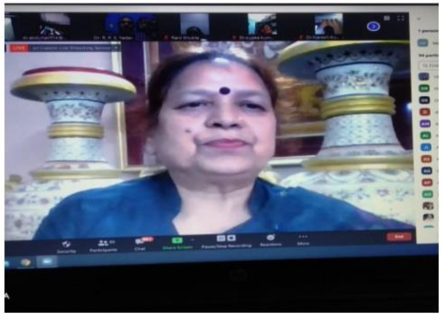

Kshama Rastogi

HOT ON MI A1
I DUAL CAMERA

ON MI A1
L CAMERA

Dr.Naresh Kumar

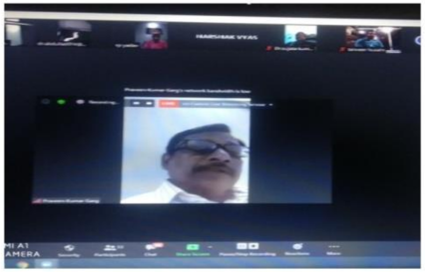
HARSHAK VYAS

Avtar Dixit
HARSHAK VYAS

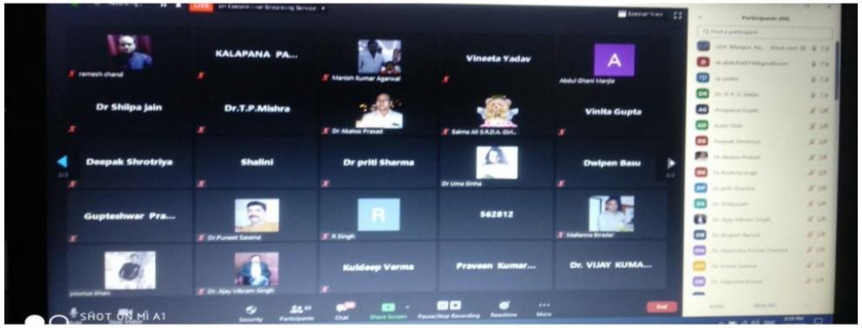
KALAPANA PA...
Vineeta Yadav
Dr Shilpa Jain
Dr.T.P.Mishra
Vinita Gupta
Deepak Shrotriya
Shalini
Dr priti Sharma
Dwipen Basu
Gupteshwar Pra...
562812
Kuldeep Verma
Praveen Kumar...
Dr. VIJAY KUMA...
SHOT ON MI A1

Dr. Narendra Ku...
Avtar Dixit
Dr.N.B.Lal
hamantmaths@...
Dr.Asha(Asso. P...

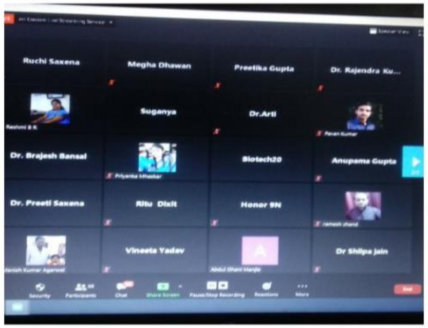
Ruchi Saxena
Megha Dhawan
Preetika Gupta
Dr. Rajendra Ku...
Suganya
Dr.Arti
Dr. Brajesh Bansal
Biotech20
Anupama Gupta
Dr. Preeti Saxena
Ritu Dixit
Honor 9N
Vineeta Yadav
Dr Shilpa Jain

NATIONAL WEBINAR (e - Conference)

Under the scheme

EK BHARAT SHRESTHA BHARAT : DEKHO APANA DESH

Organised by

Govt. P. G. College, Bilaspur, Rampur,UP

e - Certificate

This is to certify that

{{FULL NAME}}

{{OTHER IDENTIFIER}}

actively participated as a Delegate in the National Webinar on the theme

"INDIA IS RICH IN DIVERSITY"

"भारत विविधता में समृद्ध है"

held on 26 June 2020

Dr D K Singh	Dr Hamant Kumar	Dr P K Garg	Prof (Dr) R P Yadav
Convenor	Organising Secretary	Coordinator EBSB	Principle

REPORT

कार्यालय, प्राचार्य, राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बिलासपुर, रामपुर उत्तर प्रदेश।

महाविद्यालय में दिनांक 26 जून, 2020 को राष्ट्रीय उच्चत्तर शिक्षा अभियान(रूसा) के अन्तर्गत एक भारत श्रेष्ठ भारत : देखो अपना देश की श्रखला में एक राष्ट्रीय वेबगोष्ठी का सफल आयोजन किया गया जिसका विषय था "भारत विविधता में समृद्ध है" (India is Rich in Diversity) गोष्ठी में मुख्य अतिथि के रूप में प्रो (डॉ) हरवंश राय दीक्षित (मेंबर ऑफ हायर एजुकेशन कमीशन), प्रो (डॉ) वंदना शर्मा , निदेशक (उच्च शिक्षा), प्रयागराज, उत्तर प्रदेश, पैटर्न प्रो (डॉ) आर पी यादव, प्राचार्य, राजकीय महाविद्यालय बिलासपुर, गेस्ट ऑफ ऑनर, डॉ राजेन्द्र पाल सिंह यादव (रिटायर्ड प्राचार्य, राजकीय महाविद्यालय हंसोर, फॉर्मर एडिशनल सेक्रेटरी, उत्तर प्रदेश स्टेट हायर एजुकेशन कॉउन्सिल लखनऊ), गेस्ट ऑफ ऑनर, डॉ शशि बाला राठी, (फॉर्मर प्राचार्य, एस आर कॉलेज, बरेली), वक्तागण डॉ तनवीर हुसैन (शाहजहांपुर), डॉ नरेश कुमार (राजकीय महाविद्यालय भोजपुर, मुरादाबाद), डॉ आई बी महापात्र (राजकीय महाविद्यालय बिलासपुर, रामपुर) और डॉ अजय विक्रम सिंह (राजकीय रज़ा स्नातकोत्तर महाविद्यालय, रामपुर) सम्मिलित रहे। राष्ट्रीय वेब गोष्ठी का शुभारंभ गोष्ठी के संयोजक डॉ दिव्यांशु कुमार सिंह द्वारा इंट्रोडक्टरी स्पीच के द्वारा किया गया तत्पश्चात महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो (डॉ) आर. पी . यादव द्वारा मुख्य अतिथि, चीफ पैटर्न, गेस्ट ऑफ ऑनर, सभी वक्तागण और सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया। और अपने वक्तव्य में बताया कि कोरोना महामारी ने विश्व में लगभग पिछले छ: माह से और भारत में लगभग तीन महीने से पूरी मानव सभ्यता को प्रभावित कर दिया है। ऐसा कोई भी क्षेत्र नही रहा जिस पर कोरोना महामारी का प्रभाव न पड़ा हो चाहे वह शिक्षा का क्षेत्र हो, चाहे वह परिवहन का क्षेत्र हो, चाहे वह कृषि का क्षेत्र हो, चाहे वह आर्थिक जगत हो या अन्य कोई भी क्षेत्र हो। उन्होंने यह भी बताया कि हमने सभी छात्र, प्राध्यापक, स्टाफ और नागरिकों को व्यस्त रखने के लिए महाविद्यालय के द्वारा अब तक 11 कार्यक्रम ऑनलाइन आयोजित किए जा चुके हैं। उन्होंने यह भी बताया कि भारतीय संस्कृति दुनिया की सबसे पुरानी संस्कृतियों में से एक है। उन्होंने बताया कि हमारे देश के विभिन्न राज्यों और क्षेत्रों में लोग कैसे कपड़े पहनते हैं, कैसी भाषा बोलते हैं, किस प्रकार का खाना खाते हैं, किस तरह पूजा करते हैं। जनसंख्या विविधता के कारण, भारतीय संस्कृति में अपार विविधता है। भारतीय संस्कृति विविध धर्मो और विविध जातियों से संबंधित विभिन्न संस्कृतियों का मिश्रण है। फिर भी भारत में विविधता में एकता है। इसके पश्चात हमारे मुख्य अतिथि डॉ हरवंश राय दीक्षित जी अपने वक्तव्य में बताया कि हमारे देश में एक तरफ ऊँची चोटियां है तो दूसरी ओर गहरी खाई हैं, एक तरफ पर्वतों को ढकी हुई बर्फ की चादर है तो दूसरी ओर 50 डिग्री सेल्सियस से तपता हुआ रेगिस्तान है, एक तरफ घनघोर जंगल तो दूसरी ओर झाड़ियां हैं। एक तरफ घनघोर वर्षा वाला चेरापूँजी तो दूसरी ओर सूखे मौदान हैं, इसी तरह हमारा देश विविधताओं से भरा पड़ा है। उन्होंने यह भी बताया कि हमारे देश में 560 देशी रियासते थी, जिन्हें जोड़कर एक राष्ट्र बनाया गया। मुट्ठी भर लोगो से जमीन लेकर बिना किसी हिंसा के लाखो लोगो में बाँट दी गई। वही सोवियत संघ का उदाहरण देते हुए कहा कि इसी कार्य के लिए लाखों लोगों की बलि दी गई। इसी प्रकार हमने अनेकता से एकता प्रबंधन करना सीखा है। तभी हमारे देश में विविधता में एकता है। इसके बाद हमारे गेस्ट ऑफ ऑनर डॉ राजेन्द्र पाल सिंह यादव जी ने अपने वक्तव्य में बताया कि हमारी संस्कृति हजारो साल पुरानी है। हमारे देश में अनेको नदियों, हर तरह का मौसम गर्मी सर्दी और वर्षात देखने को मिलता है। यही कारण है कि हमारा देश विदेशियों के लिए आकर्षण का केन्द्र है। हमारे देश में विभिन्न धर्म, विभिन्न जातियाँ, विभिन्न भाषा, विभिन्न त्योहार, विभिन्न मान्यताओं के मानने वाले लोग हैं।

इसी प्रकार हमारा देश विविधताओं से भरा हुआ है। इतनी विविधताओं के बाद भी हमारे देश में एकता है। इसी लिए कहा जाता है कि यहाँ विविधता में एकता है। ततपश्चात हमारी गेस्ट ऑफ ऑनर डॉ शशि बाला राठी जी ने बताया कि हमारे देश में 200 भाषाए, अनेकों धर्म और 300 से भी अधिक जातियाँ है। उन्होंने वट वृक्ष का उदाहरण देते हुए बताया कि जैसे वट वृक्ष अपनी हजारों शाखाओं को एकत्रित किए हुए रहता है उसी तरह हमारा देश भारत विभिन्न प्रकार की विविधताओं के बाबजूद भी एक जुट है। उन्होंने अलग अलग राज्यों के नृत्यों की विविधता, संगीतों की विविधता, पहनावे की विविधता के बारे में भी चर्चा की और कहा कि हमारे देश में 135 करोड़ की आवादी है। फिर भी सभी लोगों में एकता है। यही हमारी संस्कृति की महानता है। इसके पश्चात हमारे गेस्ट ऑफ ऑनर डॉ अश्वनी गोयल जी ने बताया कि हमारे देश में हर क्षेत्र में विविधता है। कही घनघोर वर्षा तो कही सूखा, कही वर्फ़ तो कही रेगिस्तान है, एक तरफ अमीबा जैसा बहुत सूक्ष्म शरीर वाला जन्तु तो दूसरी ओर विशालकाय हाथी है। हमारे देश में हजारों तरह की वनस्पतियों की भी विविधता पायी जाती है। इस प्रकार हमारा देश विविधताओं का देश है। तत्पश्चात हमारे वत्ता डॉ तनवीर हुसैन जी ने बताया कि हमारे देश में अनेकों प्रकार की विविधता पायी जाती है। यहाँ भाषाओं की विविधता, धर्मो की विविधता, पहनावे की विविधता, खान पान की विविधता, नृत्यों की विविधता और संगीतों की विविधता पायी जाती है। उन्होंने गंगा जमुना तहजीब का भी जिक्र किया। इसके बाद हमारे वक्ता डॉ नरेश कुमार जी राजकीय महाविद्यालय भोजपुर मुरादाबाद ने अपने वक्तव्य में धर्म की विविधता, जाति की विविधता, उपजाति की विविधता, भाषाओं की विविधता, धर्मो के रीतिरिवाजों की विविधता, नृत्यों की विविधता, त्योहारों की विविधता आदि के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने यह भी बताया कि इतनी अधिक विविधता होने के बाद भी किस प्रकार हमारे देश के संविधान ने सभी को एक सूत्र में बांध रखा है। लोक सभा, विधानसभा और राज्यसभा की विविधता के बारे में भी बहुत विस्तार से समझाया। इसके बाद हमारे वक्ता डॉ आई बी महापात्र जी राजकीय महाविद्यालय बिलासपुर रामपुर ने वैदिक संस्कृति, चारों वेदों और प्राचीन भारतीय संस्कृति के बारे में विस्तार से समझाया। उन्होंने बताया कि हमारे देश में 1000 से भी अधिक भाषाए और 22 बोली जाने वाली भाषाओं की भी विविधता है। उन्होंने उड़ीसा के प्राचीन मंदिर जगन्नाथ में 50 से भी अधिक प्रकार के व्यंजन प्रसाद के रूप में वितरित किए जाते हैं। इस प्रकार हमारे देश में प्रसाद वितरण में भी विविधता देखी जा सकती है। उन्होंने बताया कि हमारे देश में 33 करोड़ देवी देवता हैं जिससे सिद्ध होता है कि भारत में देवी देवताओं की भी विविधता विधमान है। इतनी अधिक विविधता होने के बाद भी हमारा देश में विविधता में एकता है। इसके बाद हमारे वक्ता डॉ अजय विक्रम सिंह जी राजकीय रज़ा स्नातकोत्तर महाविद्यालय रामपुर ने अपने वक्तव्य में बताया कि हमारे देश में एक ओर विशाल पर्वत तो दूसरी ओर गहरी खाई हैं, एक और घनी वर्षा वाला चेरापूंजी तो दूसरी ओर सूखे मैदान हैं, अनेको नदियों, अनेकों पक्षी, अनेको जानवर, अनेको धातु जैसे सोना, चाँदी, तांबा, लोहा आदि, अनेको चट्टानें, अनेको, अनाज, अनेको फल, अनेको सब्जियां, अनेकों ऋतुएं, मौसम आदि के उदाहरणों से विविधता को बहुत ही विस्तार से समझाया। उन्होंने मछलियों की विविधता, मिट्टियों की विविधता, मानव की भौतिक संरचना की विविधता आदि को भी बहुत ही विस्तार से समझाया। उन्होंने यह भी कहा कि हमारे देश में इतनी अधिक विविधता होने के बाद भी एकता है। इस प्रकार भारत विविधता में समृद्ध है। राष्ट्रीय बेबीनार में लगभग 350 प्रतिभागियों ने पंजीकरण कराया और उनमें से लगभग 250 प्रतिभागी ज़ूम ऐप्प और यूट्यूब चेनल के माध्यम से जुड़े रहे। हमारे सभी अथितियों और वक्तागण ने बताया कि इस प्रकार के कार्यक्रम महाविद्यालय में होते रहने चाहिए और इस प्रकार के पाठ्यक्रम को छात्रों के सिलेबस में भी जोड़ना चाहिए, जिससे छात्रों को अपनी संस्कृति और देश के विभिन्न क्षेत्रों के बारे में पढ़ने और समझने का मौका मिल सके। अन्त में महाविद्यालय के वरिष्ठ प्राध्यापक और एक भारत श्रेष्ठ भारत के नोडल अधिकारी, डॉ पी के गर्ग जी ने मुख्य अतिथि, गेस्ट ऑफ ऑनर, सभी वक्तागण और प्रतिभागियों का धन्यवाद ज्ञापित किया और कहा कि इस बेबीनार के

सफल आयोजन में आप सभी ने जो अमूल्य समय दिया है इसके लिए महाविद्यालय परिवार आप सभी का आभार व्यक्त करता है। राष्ट्रीय बेबीनार का संचालन हिंदी विभाग के प्रभारी डॉ. अब्दुल लतीफ़ द्वारा किया गया।

निष्कर्ष

हमारा देश भारत विश्व में सर्वश्रेष्ठ है | अनेकता में एकता ही इसकी पहचान है जो इसे विश्व के अन्य देशों से अलग बनाती है क्योंकि अन्य देशों में भारत की तरह अलग-अलग मजहब और धर्म को मानने वाले लोग एकजुट होकर इस तरह प्रेम भाईचारे और सद्भाव हम से नहीं रहते हैं इसलिए भारतीय संस्कृति की मिसाल विश्व भर में दी जाती है | यहां अलग-अलग धर्मों के रहने वाले लोगों के त्योहार, रीति रिवाज, पहनावा, बोली आदि में भी काफी विविधता होने के बावजूद भी सभी मजहब के लोग अपने अपने तरीके से रहते हैं और अपनी परंपरा और रीति-रिवाजों के साथ अपने अपने त्यौहार मनाते हैं | भारत एक ऐसा देश है जहां दीपावली और ईद पर जितनी रौनक दिखाई देती है उतनी ही रौनक किस्मत और गुरु पर्व में भी देखने को मिलती है भारत के लोगों की सोच, उनका आचरण, व्यवहार, चरित्र, उनके मानवीय गुण आपसी प्रेम, संस्कार, कर्म आदि भारत की विविधता को बनाए रखने में मदद करती है | एक दिवसीय राष्ट्रीय वेबीनार में विद्वान वक्ताओं ने निम्न निष्कर्ष दिए :-

1. अनेकता में एकता बुरी से बुरी परिस्थितियों में उभरने में मदद करता है |
2. इससे लोगों के अंदर एक – दूसरे के प्रति सम्मान और प्रेम की भावना विकसित होती है और लोग एक दूसरे के करीब आते हैं |
3. आपसी रिश्तो और भावनाओं को ओर अधिक मजबूती मिलती है |
4. विविधता से एकता में लोगों को टीम वर्क करने में मदद मिलती है |

संस्तुति

1. जाति, धर्म और संप्रदाय के नाम पर राजनीति करने वालों पर अंकुश लगाया जाए |
2. भारतीय समाज को बांटने वाली शक्तियों पर लगाम लगाने की आवश्यकता है |
3. हमारे देश की असली पहचान विविधता है | इस पहचान को बरकरार रखने के लिए इसके अखंडता के महत्व को समझने की जरूरत है |
4. गंगा– जमुनी तहजीब को जीवित रखने के लिए हमें अपनी भाषा संस्कृति और रीति-रिवाजों को प्रभावशाली बनाना होगा |
5. भारतीय संस्कृति और परंपरा को पुनर्जीवित करने की जरूरत है |